घुमक्कड़ लोमड़ी

एल्विन ट्रक्सेल्ट

चित्र: नैन्सी सियर्स

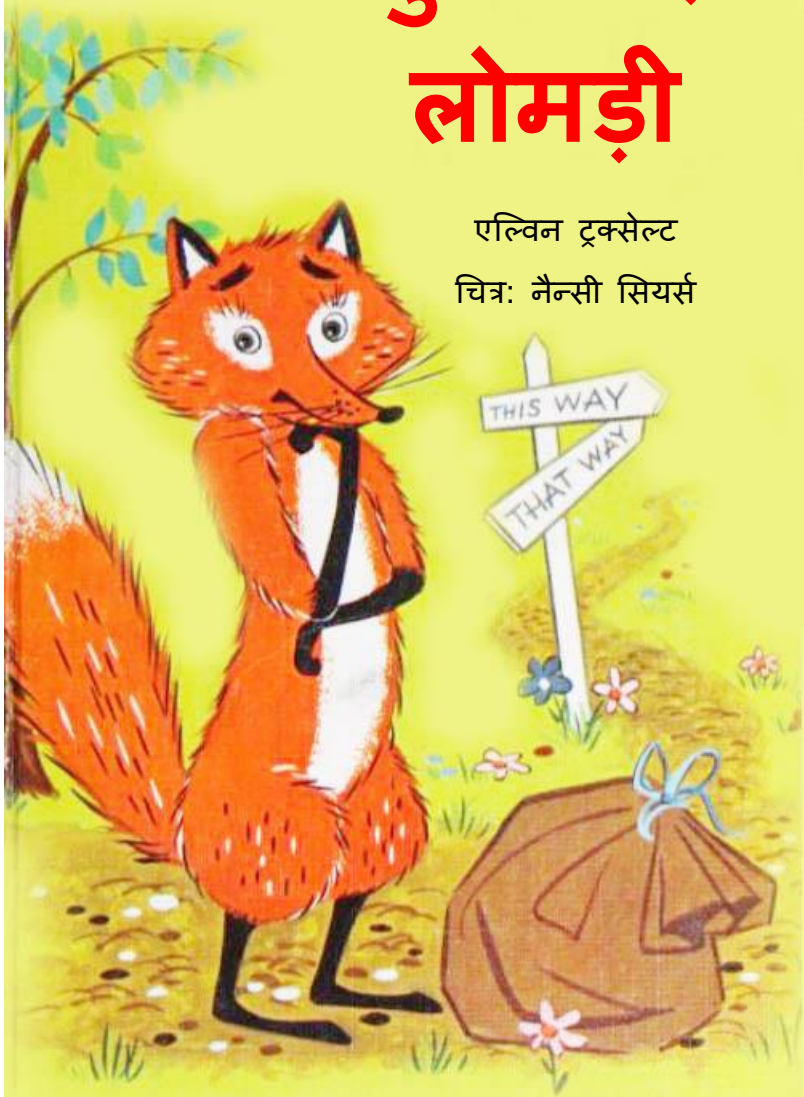

घुमक्कड़ लोमड़ी

एल्विन ट्रक्सेल्ट

चित्र: नैन्सी सियर्स

लोमड़ी: आज मैं पूरे दिन खूब चली हूँ.

अब मुझे कुछ रात का खाना चाहिए.

मुझे बहुत भूख लगी है!

(एक मधुमक्खी उड़ती है.)

मधुमक्खी: भिन-भिन!

वहाँ पर एक लोमड़ी है.

मैं उसकी नाक पर डंक मारूंगी.

लोमड़ी: अच्छा, तो एक मधुमक्खी है.

वो बहुत बड़ी नहीं है.

चलो हम देखेंगे

जो होगा देखेंगे.

(मधुमक्खी लोमड़ी को डंक मारने के लिए ऊपर उड़ती है. लोमड़ी, मधुमक्खी को पकड़ लेती है. वो उसे अपने थैले में रखती है.)

अब मैं अपने रास्ते आगे बढ़ूंगी.

शायद यह मधुमक्खी

अच्छा रात्रि भोजन दिलाने में

मेरी कुछ मदद कर पाए.

(लोमड़ी एक फार्महाउस में आती है.)

किसान भाई, मुझे ज़रूरी काम से शहर जाना है.

क्या मेरे वापस आने तक कृपा आप

मेरे थैले की देखभाल करेंगे?

किसान: मैंने पूरे दिन काम किया है.

लेकिन तुम्हारे थैले की देखभाल करना कोई बड़ा काम नहीं है.

मैं तुम्हारे लिए वो काम ज़रूर करूंगा.

लोमड़ी: एक बात याद रखें किसान भाई.

मेरा थैले मत खोलें!

(फिर लोमड़ी भाग जाती है और एक पेड़ के पीछे छिप जाता है.)

किसान: लोमड़ी के थैले में क्या हो सकता है?

मैं उसमें एक छोटी सी नजर डालना चाहता हूँ.

(किसान थैला खोलता है.
मधुमक्खी उड़ जाती है. उसका
मुर्गा मधुमक्खी को खा जाता है.)

लोमड़ी: ठीक है, किसान भाई, मैं वापिस आ गई हूँ.

अब मैं अपना थैला ले जाऊंगी.

(लोमड़ी थैला उठाती है.)

लेकिन मुझे अपनी मधुमक्खी की
भिनभिनाहट सुनाई नहीं दे रही है.

लगता है तुमने मेरा थैला खोला!

उससे मेरी मधुमक्खी उड़ गयी.

किसान: मैंने थैला थोड़ा सा खोला ज़रूर था.

फिर उसमें से मधुमक्खी उड़ गई

और फिर उसे मेरा मुर्गा खा गया.

लोमड़ी: फिर तुम्हें मुझे अपना मुर्गा देना होगा.

(लोमड़ी मुर्गे को पकड़ लेती है
और अपने थैले में रख लेती है.)

अलविदा, किसान भाई.

अगली बार,

जैसा तुमसे कहा जाए वैसा ही करना.

(फिर लोमड़ी, मुर्गे को अपने
थैले में लेकर भाग जाती है.)

वो मुर्गा मेरा अच्छा रात्रि भोजन बनेगा

लेकिन शायद मैं उससे कुछ बेहतर
कर सकती हूं.

चलो हम देखेंगे

जो होगा देखेंगे.

(फिर लोमड़ी एक बूढ़ी औरत के पास जाती है.)

मौसी,

मुझे काम से शहर जाना है.

क्या आप वापस आने तक

मेरे थैले की देखभाल करेंगी?

बुढ़िया: मैंने पूरे दिन काम किया है.

लेकिन थैले की देखभाल करना कोई बड़ा काम नहीं है.

हाँ, मैं तुम्हारे लिए वो काम करूंगी.

लोमड़ी: हाँ एक बात ध्यान रखना.

आप मेरा थैला बिल्कुल मत खोलना!

(फिर लोमड़ी भाग जाती है और

एक पेड़ के पीछे छिप जाती है.)

बुढ़िया: लोमड़ी के थैले में क्या हो सकता है?

मैं उसमें एक नजर ज़रूर डालूंगी.

(बुढ़िया थैला खोलती है. मुर्गा उड़ जाता है, और सुअर उसके पीछे दौड़ता है.)

लोमड़ी: ठीक है, बुढ़िया, मैं वापिस आ गई हूँ.

अब मैं अपना थैला ले जाऊंगी.

(लोमड़ी थैला उठाती है.)

बुढ़िया, मुझे लगता है

कि तुमने मेरा थैला खोला है.

और मेरा मुर्गा भाग गया है!

बुढ़िया: मैंने तुम्हारे थैले को थोड़ा सा खोला था.

फिर उसमें से मुर्गा उड़ गया.

मेरे सुअर को मुर्गे पसंद नहीं हैं.

इसलिए मेरा सुअर मुर्गे के पीछे भागा.

लोमड़ी: तो फिर मैं बदले में तुम्हारा सुअर ले जाऊँगी.

(फिर लोमड़ी, सुअर को पकड़ लेती है
और उसे अपने थैले में डाल देती है.)

अलविदा, मौसी.

अगली बार,

तुमसे जैसा कहा जाए बिल्कुल वैसा ही करना.

(लोमड़ी अपने थैले में सुअर
को लेकर भाग जाती है.)

मुर्गा एक अच्छा भोजन है.

लेकिन सुअर उससे भी बेहतर भोजन है.

लेकिन शायद मैं इससे भी बेहतर कर सकती हूं.

चलो हम देखेंगे

जो होगा देखेंगे.

(फिर लोमड़ी एक किसान की
पत्नी के पास जाती है.)

चाची, मुझे ज़रूरी काम से शहर जाना है.

क्या आप वापिस आने तक

मेरे थैले की देखभाल करेंगी?

किसान की पत्नी: मैंने पूरे दिन काम किया है.

लेकिन यह कोई मेहनत का काम नहीं है

मैं तुम्हारे थैले की की देखभाल ज़रूर करूँगी.

लोमड़ी: एक बात, ध्यान रखना चाची.

मेरे थैले को बिल्कुल मत खोलना!

(फिर लोमड़ी भाग जाती है और
एक पेड़ के पीछे छिप जाती है.)

(चाची थैला खोलती हैं. सुअर बाहर कूदता है. चाची का छोटा लड़का सुअर के पीछे दौड़ता है. सुअर दीवार कूदकर भाग जाता है.)

किसान की पत्नी: लोमड़ी के थैले में भला क्या हो सकता है?

उसके अंदर कुछ बहुत बड़ा और मोटा लग रहा है.

लोमड़ी को पता भी नहीं चलेगा

अगर मैं एक छोटी सी नजर डालूं.

लोमड़ी: अच्छा चाची अब मैं

शहर से वापिस आ गई हूँ.

अब मैं अपना थैला ले जाऊँगी.

(लोमड़ी देखती है कि उसका

थैला जमीन पर खुला पड़ा है.)

चाची तुमने मेरा थैला खोला!

उसमें से मेरा सुअर भाग गया!

किसान की पत्नी: मैंने थैले को
थोड़ा सा खोला ज़रूर था.

उसमें से एक सुअर बाहर कूदा,

मेरा छोटा लड़का उसके पीछे दौड़ा.

लेकिन सुअर भाग गया.

लोमड़ी: तो फिर मैं बदले में मैं
तुम्हारे छोटे लड़के को ले जाऊँगी.

(लोमड़ी छोटे लड़के को थैले में डालती है
और किसान की पत्नी के रोकने से
पहले ही वहां से भाग जाती है.)

अलविदा, चाची!

अगली बार, तुमसे जैसे कहा जाए
बिल्कुल वैसे ही करना.

(फिर लोमड़ी जंगल में भाग जाती है.)

मुर्गा एक अच्छा भोजन है.

सुअर उससे भी बेहतर भोजन है.

लेकिन एक छोटा लड़का सबसे
अच्छा रात्रि भोजन होगा!

मैं अपना थैला यहीं रखूंगी.

अब मुझे आग जलानी होगी,

लेकिन उससे पहले मुझे कुछ
लकड़ियाँ ढूँढ़नी होंगी.

(फिर लोमड़ी कुछ लकड़ी ढूंढने जाती है.
तभी एक आदमी अपने कुत्ते के साथ
वहां आता है. वो एक शिकारी है. वो
एक छोटे लड़के को रोते हुए सुनता है.)

शिकारी: वो थैला ज़मीन पर क्यों पड़ा है?

और मुझे किसी बच्चे के रोने की आवाज़ आ रही है?

(जब वो थैला खोलता है तो
एक छोटा लड़का बाहर आता है.)

आखिर यह सब क्या है?

तुम थैले में अंदर क्यों बंद थे?

छोटा लड़का: एक लोमड़ी ने मुझे अपने थैले में बंद किया था.

वो रात के खाने में मुझे खाने वाली है.

शिकारी: अच्छा ऐसी बात है?

(शिकारी अपने कुत्ते को थैले में रख देता है.)

चलो हम देखेंगे

जो होगा देखेंगे.

(शिकारी और छोटा लड़का जंगल में छिप जाते हैं. जल्द ही लोमड़ी आग के लिए लकड़ी लेकर वापस आती है.)

लोमड़ी: मुझे उस मोटे छोटे लड़के को देखना है जिसे आज मैं खाऊँगी!

(जब लोमड़ी थैला खोलती है तो उसमें से कुत्ता बाहर कूदता है.)

यह मेरा रात्रि भोजन नहीं है!

मेरी मदद करो! मेरी मदद करो!

(लोमड़ी जितनी तेजी से भाग सकती है
भागती है, कुत्ता उसके पीछे-पीछे दौड़ता है.)

शिकारी: आज रात लोमड़ी को उसका खाना नहीं मिलेगा!

अब मैं तुम्हें तुम्हारी माँ के पास ले चलूँगा.

(लोमड़ी कुत्ते से डरकर भाग जाती है और
वो जाकर एक गहरे गड्ढे में छिप जाती है.)

लोमड़ी: मैं इतना लालची क्यों किया?

एक लड़का सुअर से बेहतर था.

मुर्गे से सुअर बेहतर था.

और मुर्गा, मधुमक्खी से बेहतर था.

अब रात के खाने के लिए मेरे पास
एक छोटी मधुमक्खी भी नहीं बची है!

अंत